

मिसाली दोस्त हबीब (अ०) इब्ने मज़ाहिर

हैदर अली (मुबल्लिग जामिआ इमामिया)

जनाबे हबीब, मज़ाहिर के बेटे थे जैसा कि उन्होंने रज्ज में फरमाया है कि "अना हबीब व अबी मज़ाहिर" और असदी कबीले के मशहूर आदमी थे रिवायतों में उन्हें रसूल (स०) का सहाबी भी माना गया। अमीरुलमोमिनीन हज़रत अली अलैहिस्सलाम और इमामे हसन अलैहिस्सलाम के ख़ास सहाबियों में से थे। और अस्हाबे सैय्यदुशोहदा इमामे हुसैन (अ०) में भी आप नुमायाँ मर्तबे और कूफ़े के शीओं में बुलन्द मक़ाम रखते थे।

मुआविया की मौत के बाद शीआने कूफ़ा की ख़्वाहिश हुई कि इमामे आली मक़ाम कूफ़ा तशरीफ लाएँ तो इस सिलसिले का पहला ख़त सुलेमान बिन सुरदे खुज़ाआ, मुसैय्यिब बिन नुहबह, रिफाआ बिन शदाद और हबीब इब्ने मज़ाहिर दूसरे शीओं के साथ और कूफ़ा के मुसलमानों की तरफ से फ़र्जन्दे रसूल (स०) के नाम भेजा गया था।

जब ऐलची-ए-इब्ने ज़हरा यानी जनाबे मुस्लिम कूफ़ा पहुँचे और मुख़्तार इब्ने अबी उबैदा-ए-सक़फी के घर पर ठहर गए तो वहाँ कूफ़ा के शीआ इकट्ठा हुए जिसमें मुस्लिम बिन अक़ील ने अपने आका हुसैन (अ०) का ख़त पढ़कर सुनाया इसके बाद जनाबे आबिस बिन शबीब शाकरी की तक़रीर हुई जिसमें उन्होंने सिर्फ़ अपनी तरफ से हर तरह की मदद का वादा फरमाया इसके बाद फौरन हबीब इब्ने मज़ाहिर ने अपनी मदद का बड़े अच्छे अन्दाज़ में एलान किया।

क़र्बला में नवीं मोहर्रम की शाम को जब यज़ीद के लश्कर ने इमाम (अ०) पर हमला करने का फैसला कर लिया बल्कि हमले के लिए बढ़ने लगा तो इमाम (अ०) ने अपने भाई अब्बास (अ०) से कहा कि उनसे उनके इरादे के बारे में बात करो तो जनाबे अब्बास (अ०) बीस सवारों के साथ जिनमें जुबैर इब्ने कैन और हबीब इब्ने मज़ाहिर भी थे मुख़ालिफीन के करीब गए और उनसे उनका मक़सद मालूम किया तो जवाब मिला कि इब्ने ज़ियाद का हुक्म आया है कि या तुम से बैअत ली जाए या जंग की जाए जनाबे अब्बास ने फरमाया कि मैं इमाम से पूछ कर बताता हूँ। जनाबे अब्बास (अ०) बारगाहे इमाम (अ०) की तरफ चले बाकी लोग अपनी जगह पर रुके रहे मौक़ा ग़नीमत जान कर हुसैन (अ०) का महबूब दोस्त हबीब अपनी दोस्ती के फ़राएज़ के एहसास के तहत मुख़ालिफ़ फौज को समझाना शुरू करता है कि तुम्हारा खुदा के यहाँ बहुत बुरा अन्जाम होगा इस बात पर कि तुमने आले रसूल (स०) और इबादतगुज़ारों का खून बहाया लेकिन उन पर हबीब की नसीहत का कोई असर इसलिए नहीं हुआ कि उनके दिलों पर मुहर लग चुकी थी।

दोस्ती-ए-हुसैन (अ०) की दौलत से मालामाल जज़्ब-ए-नुसरत व कुर्बानी से भरे हुए हबीब को रोज़े आशूर इमामे वक़्त ने अपनी मुख़्तसर रुहानी फौज की टुकड़ी का सरदार मुक़र्रर किया। क़र्बला में जंग शुरू होते ही वह तिश्न-ए-जामे शहादत शख्स थे जो बुरैरे हमदानी के साथ सबसे पहले मुक़ाबले के लिए ललकारने

पर जिहाद के लिए तैयार हुए मगर इमामे वक्त की मर्जी की वजह से बड़ी समझ रखने वाले अपनी जगह पर रुक गए।

हज़रत इमामे हुसैन (अ0) जब अपने ईमानी लश्कर के साथ नमाज़े जोहर पढ़ने के लिए तैयार हुए तो मुख़ालिफ़ फौज से नमाज़ की मोहलत माँगी गयी जिस पर हसीन लजीन ने बुलन्द आवाज़ से कहा नमाज़ पढ़ना हो तो पढ़ लो मगर वह कुबूल नहीं, बस इस गुस्ताख़ी को हबीब बर्दाश्त न कर सके और जवाब में फरमाया अरे तुझ जैसे शराब पीने वालों की नमाज़ कुबूल होगी और रसूल (स0) के बेटे जैसे परहेज़गार की नमाज़ कुबूल न होगी इस जवाब पर उस मलउन व शकी अज़ली ने हमला कर दिया हबीब ने उस पर वार किया वह ज़ख्मी हुआ लेकिन बच निकला फिर हबीब ने शौके शहादत में रज़ज़ पढ़ना शुरू

किया और फिर उस हुसैन (अ0) के मददगार ने अपनी खून भरी तलवार के जौहर दिखलाए और लड़ते-लड़ते हबीब के लिए एक वह वक्त भी आया कि हुसैन (अ0) की दोस्ती का दम भरने वाला जामे शहादत से सैराब हो गया यानी –

*ज़ीस्त की दौलत ही रख दी उसने पाए यार पर
उम्र भर की बेकरारी को करार आ ही गया*

सोगवाराना शान से इमामे हुसैन (अ0) लाशे हबीब पर पहुँचे और क्यों न पहुँते –

दोस्त की दोस्त ज़माने में खबर रखते हैं

मुख़्तसर यह कि हबीब का मर जाना हुसैन (अ0) इब्ने अली (अ0) के लिए मामूली मुसीबत न थी रिवायतों में है कि हुसैन (अ0) जैसे पक्के और मज़बूत इरादे और हौसले के मालिक मुजाहिद के चेहरे पर शिकस्तगी के आसार साफ नज़र आ रहे थे। □ □ □

NAAZ

Plastics

Deals in :-

Digital Print Glow Sign Board
Digital Frontlit Board
Digital Hoarding, Banner
All types of Digital Print,
Vinyl Cutting Plottor
Radium Digital Print

Add.: Maqbara Alia, Golaganj, Lko.
Contact : 9935084074, 9415001374
0522-2610558, 9935037849

Electronics

Deals in :-

Colour T.V.
Washing Machine
Refrigerator
DVD, VCD Player
Gyser, Blower & All types
of Electronic Goods.

Add.: Maqbara Alia, Golaganj, Lko.
Contact : 9935084074, 9415001374
0522-2610558, 9935037849,

Communication (Airtel)

Deals in :-

All types of
Post Paid, Pre Paid
New Model Handset with
Connection Available Here

Add.: Kamla Nehru Marg, Chowk,
Lucknow - 226 003
Contact : 9935084213, 9935084079